महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

क्र. प्रशासनिक/म.पा.सं.वै.वि.वि./ 21 /3/19 — उज्जैन दिनांक /01/2022

// विद्या परिषद् //

बैठक दिनांक 17 दिसम्बर 2021 का कार्यवाही विवरण (ऑनलाइन)

दिनांक 17 दिसम्बर 2021 को प्रशासनिक कार्यालय में दोपहर 12.00 बजे विश्वविद्यालय विद्या परिषद बैठक आयोजित की गयी जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे

उपस्थिति

1. **प्रो. विजय कुमार सी.जी.**
कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक, विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र. — अध्यक्ष

2. **प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी,**
पूर्व कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक, विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.
57-A वैशाली नगर, इन्दौर — सदस्य

3. **प्रो. एच.पी. दीक्षित**
संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक, विश्वविद्यालय, उज्जैन — सदस्य

4. **डॉ. सीमा शर्मा**
संकायाध्यक्ष, कला संकाय
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक, विश्वविद्यालय, उज्जैन — सदस्य

5. **डॉ. हरेन्द्र भार्गव**
संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक, विश्वविद्यालय, उज्जैन — सदस्य

6. **डॉ. तुलसीदास परौहा,**
विभागाध्यक्ष, साहित्य एवं दर्शन विभाग, म.पा.सं.वै.वि.वि., उज्जैन — सदस्य

7. **डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी**
विभागाध्यक्ष, वेद एवं व्याकरण विभाग, म.पा.सं.वै.वि.वि., उज्जैन — सदस्य

8. **डॉ. संकल्प मिश्र**
विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, म.पा.सं.वै.वि.वि., उज्जैन — सदस्य

9. **डॉ. उपेन्द्र भार्गव**
असिस्टेंट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि सं. एवं वै. विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र. — सदस्य

10. **डॉ. दिलीप सोनी,**
कुलसचिव, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वै. विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र. — सचिव

-00-

O/C

बैठक की कार्यवाही प्रारंभ होने के पूर्व कुलसचिव (सचिव) द्वारा विद्या परिषद् के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी एवं उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इसके पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

विषय क्रमांक। विद्या परिषद की बैठक दिनांक 24 मई 2021 के कार्य विवरण की संपुष्टि पर विचार।

टीप : विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 24 मई 2021 के कार्यविवरण संलग्न।
निर्णय : विद्या परिषद की बैठक दिनांक 24 मई 2021 के कार्य विवरण की संपुष्टि की गयी।
विषय क्रमांक 2 विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 24 मई 2021 का पालन प्रतिवेदन संलग्न।
निर्णय : विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 24 मई 2021 का पालन प्रतिवेदन की सूचना ग्रहण की गयी।

क्र.	विषय
03	**वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 के कार्यविवरण अनुमोदन पर विचार।**
टिप्पणी	वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा नवीन पाठ्यक्रमों को आरम्भ करने के प्रस्ताव प्रदान किये गए है जिन्हें वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 में लिए गए निर्णय अनुसार माननीय विद्या परिषद् के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रस्तावित किये गये नवीन पाठ्यक्रमों के विषय में अनुमोदन करने पर विचार।
निर्णय	• निर्णय लिया गया कि माननीय विद्या परिषद् द्वारा वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय से प्रस्तावित किये गए पाठ्यक्रमों को आरम्भ करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की जाती है। • वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा प्रस्तावित किये गए नवीन पाठ्यक्रमों को आरम्भ करने से पूर्व सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों का निर्माण अध्ययन मण्डल से करवाकर शुल्क निर्धारण समिति के समक्ष शुल्क निर्धारण के उपरान्त संकाय बोर्ड में स्वीकृति प्राप्त कर आरम्भ किया जाए।
04	**कला संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 के कार्यविवरण अनुमोदन पर विचार।**
टिप्पणी	कला संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा प्रस्तुत` तथा कला संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 में लिए गए निर्णय के अनुमोदन पर विचार।
निर्णय	यथा प्रस्तावित अनुमोदित।
05	**शिक्षा शास्त्र संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 के कार्यविवरण अनुमोदन पर विचार।**
टिप्पणी	शिक्षा शास्त्र संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा प्रस्तुत` तथा शिक्षा शास्त्र संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 में लिए गए निर्णय के अनुमोदन पर विचार।
निर्णय	यथा प्रस्तावित अनुमोदित।
06	**प्राचीन विज्ञान संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 के कार्यविवरण अनुमोदन पर विचार।**
टिप्पणी	प्राचीन विज्ञान संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा नवीन पाठ्यक्रमों को आरम्भ करने के प्रस्ताव प्रदान किये गए है जिन्हें प्राचीन विज्ञान संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 में लिए गए निर्णय

	अनुसार माननीय विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रस्तावित किये गये नवीन पाठ्यक्रमों के विषय में अनुमोदन करने पर विचार।
निर्णय	• निर्णय लिया गया कि प्राचीन विज्ञान संकाय के अंतर्गत गठित विभिन्न अध्ययन मंडलों द्वारा प्रस्तावित किये गए "एम.एस.सी. (योग विज्ञान)" पाठ्यक्रम को आरम्भ करने से पूर्व सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का निर्माण अध्ययन मण्डल से करवाकर शुल्क निर्धारण समिति के समक्ष शुल्क निर्धारण के उपरान्त तथा संकाय बोर्ड में अनुमोदन प्राप्त कर पाठ्यक्रम आरम्भ किया जाए। • माननीय विद्या परिषद् द्वारा प्राचीन विज्ञान संकाय से प्रस्तावित किये गए पाठ्यक्रम को आरम्भ करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गयी तथा "शास्त्री (योग शास्त्र)" विषय को भी आरम्भ करने का सुझाव प्रदान किया गया।
07	**अध्यापन विभाग में UG/PG विषयानुसार सीट संख्या निर्धारित करने पर विचार।**
टिप्पणी	वर्तमान में अध्यापन विभाग में UG/PG विषयानुसार सीट संख्या निर्धारित नहीं है। सीट संख्या निर्धारित करने हेतु प्रकरण विद्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत है।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रत्येक संकाय के माध्यम से विषयानुसार स्थान (सीटों) का निर्धारण करते हुए प्रकरण को शुल्क निर्धारण समिति के समक्ष विचार में लेने के उपरांत अनुमोदन हेतु अग्रिम विद्या परिषद् की बैठक में प्रस्तुत किया जाए।
08	**बाह्य विषय विशेषज्ञ विविध अकादमिक परीक्षा समिति तथा अन्य समिति के बाह्य सदस्यों को बैठक में मानदेय रु. 1000 दिये जाने पर विचार।**
टिप्पणी	विश्वविद्यालय के विभिन्न समितियों तथा बाह्य विशेषज्ञों एवं अकादमिक कार्यों के लिए वर्तमान में आमंत्रित अतिथि को कार्यपरिषद की बैठक के निर्णयानुसार रुपये 1000 मानदेय प्रदान किया जाता है। तथा बाह्य सदस्यों को भी तदनुसार रु. 1000 मानदेय प्रदान करने पर विचार।
निर्णय	यथा प्रस्तावित अनुमोदित।
09	**प्राचीन व्याकरण तथा अद्वैत दर्शन का पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर विचार।**
टिप्पणी	वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय की बैठक दिनांक 15/12/2021 के निर्णय के अनुमोदन हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।
निर्णय	विषय क्रमांक 03 के अंतर्गत विषय पर चर्चा की गई। तदनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
10	**वेद-विद्या प्रतिष्ठान से वेदविभूषण परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश देने पर विचार।**
टिप्पणी	वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय की बैठक दिनांक 15/12/2021 के निर्णय के अनुमोदन हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।
निर्णय	यथा प्रस्तावित अनुमोदित।

11.	**B.Sc. (Hospitality studies) का पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर विचार।**
टिप्पणी	माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार प्रस्ताव विद्या परिषद के समक्ष रखने हेतु प्रस्तावित।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि संस्कृत विद्या आधारित विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश करते हुए प्रस्तावित पाठ्यक्रम आरम्भ किया जा सकता है। यथाविधि अध्ययन मण्डल संकाय / शुल्क निर्धारण समिति में विषय का अनुमोदन होने के उपरान्त विद्या परिषद् की आगामी बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाए।
12	**बी.ए. ट्रेवल्स एंड टूरिस्म का पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर विचार।**
टिप्पणी	माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार प्रस्ताव विद्या परिषद् के समक्ष रखने हेतु प्रस्तावित।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि संस्कृत विद्या आधारित विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश करते हुए प्रस्तावित पाठ्यक्रम आरम्भ किया जा सकता है। यथाविधि अध्ययन मण्डल/ संकाय / शुल्क निर्धारण समिति में विषय का अनुमोदन होने के उपरान्त विद्या परिषद् की आगामी बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाए।
13	**बी.ए. सिविल सर्विसेज का पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर विचार।**
टिप्पणी	माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार प्रस्ताव विद्या परिषद् के समक्ष रखने हेतु प्रस्तावित।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि संस्कृत विद्या आधारित विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश करते हुए प्रस्तावित पाठ्यक्रम आरम्भ किया जा सकता है। यथाविधि अध्ययन मण्डल/ संकाय / शुल्क निर्धारण समिति में विषय का अनुमोदन होने के उपरान्त विद्या परिषद् की आगामी बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाए।
14	**महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के वेदभूषण(कक्षा 10वी के समकक्ष) एवं वेदविभूषण (कक्षा 12वी के समकक्ष) पाठ्यक्रम को उच्चशिक्षा हेतु मान्यता प्रदान करने पर विचार।**
टिप्पणी	विश्वविद्यालय में संचालित वेद विभाग के अंतर्गत शास्त्री एवं आचार्य शुक्ल यजुर्वेद के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है जिनमे महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के द्वारा संचालित वेदभूषण एवं वेदविभूषण पाठ्यक्रम को भारत के अनेक संस्कृत विश्वविद्यालयों ने शास्त्री कक्षा में प्रवेश हेतु अर्हता के रूप में स्वीकार किया है। तदनुसार महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को भी उक्त पाठ्यक्रम को शास्त्री कक्षा में प्रवेश हेतु अर्हता के रूप में स्वीकार करने के लिए विचार किया जाना प्रस्तावित है तदनुसार वेदभूषण पाठ्यक्रम को कक्षा 10वी के समकक्ष तथा वेदविभूषण पाठ्यक्रम को कक्षा 12वी के समकक्ष मान्यता प्रदान किया जाना अपेक्षित है। उक्त सन्दर्भ में वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय की बैठक दिनांक 15/12/2021 में भी विचार किया गया है।
निर्णय	यथा प्रस्तावित अनुमोदित।
15	**सम्यद्ध संस्कृत महाविद्यालयों में UG/PG में विषयानुसार निर्धारित सीट संख्या की वृद्धि पर शुल्क का विचार।**
टिप्पणी	विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों से समय समय पर प्रवेश के समय कक्षा में छात्रों की संख्या के अनुपात में विषयानुसार निर्धारित सथानों (सीट) संख्या में वृद्धि करने के लिए अनुरोध किया जाता है किन्तु उक्त प्रक्रिया के लिए पृथक से शुल्क का प्रावधान नहीं किया गया है। अतः सम्बद्ध संस्कृत महाविद्यालयों में UG/PG में विषयानुसार निर्धारित सीट संख्या की वृद्धि पर शुल्क निर्धारित करने पर विचार।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि प्रकरण को शुल्क निर्धारण समिति में विचारार्थ रखते हुए निर्णय लिया जाए।

16	**डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को सम्बंधित विभागों द्वारा संचालित करने पर विचार।**
टिप्पणी	• वर्तमान मे समस्त प्रकार के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पत्रोपाधि(डिप्लोमा) एवं प्रमाणपत्रीय (सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रमो का संचालन "संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र" द्वारा किया जाता है। जबकि इन पाठ्यक्रमो की विषयवस्तु, प्रारूप एवं पाठ्यक्रम आदि का निर्माण समबन्धित संकायों/विभागों द्वारा गठित विषय समिति अध्ययन मण्डल द्वारा किया जाता है। • कृपया इस सम्बन्ध मे अवगत होना चाहे कि संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र की स्थापना के पूर्व उक्त पाठ्यक्रम सम्बंधित संकायों/विभागों द्वारा ही संचालित किये जाते थे। • अतः यह उचित होगा कि "संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र" द्वारा संचालित किये जा रहे "स्नातक एवं स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रमों" को संकायों/विभागों में संचालित विषयों से सम्बद्ध होने के कारण सम्बंधित संकायों/विभागों द्वारा ही उन्हें संचालित किये जाने हेतु विचार करने हेतु प्रस्तुत है।
निर्णय	• निर्णय लिया गया कि संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र द्वारा संचालित किये जा रहे समस्त "स्नातक एवं स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रमों" का संचालन सम्बंधित संकाय/विभाग द्वारा ही किया जाए। • अन्य षाण्मासिक (छः माही), त्रैमासिक, मासिक एवं अन्य अल्पावधि (short term) , सेतु पाठ्यक्रम एवं अन्य प्रकृति के पाठ्यक्रमों का संचालन संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र द्वारा किया जाएगा।
17	**दर्शन संकाय/ दर्शन विभाग पृथक किये जाने पर विचार।**
टिप्पणी	विश्वविद्यालय के परिनियम क्र. 15 की कण्डिका क्र. 1(2) ,के अनुसार विश्वविद्यालय में स्वतंत्र रूप से दर्शन संकाय का प्रावधान किया गया है , जबकि वर्तमान में दर्शन विभाग को साहित्य विभाग के साथ संयोजित करते हुए संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में न्याय दर्शन एवं अद्वैत वेदांत विषयों में अध्ययन आरम्भ हो चुका है अतः उक्त संकाय (दर्शन संकाय) को पृथक करते हुए दर्शन शास्त्र से सम्बंधित समस्त विषय संचालित किये जाने चाहिए। यह कार्यवाही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(b) की दृष्टि से भी उपयोगी एवं आवश्यक है। विचारार्थ प्रस्तुत।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय परिनियम 15 की कण्डिका क्र. 1(2) के परिपालन में दर्शन संकाय पृथक किया जाता है। उक्त संकाय के अंतर्गत दर्शन विभाग संचालित किया जाए जिसमें विभागीय दर्शन शास्त्र के न्याय दर्शन, अद्वैत वेदांत आदि पाठ्यक्रम संचालित किये जाएं।
18	**अध्ययन मण्डल में विभागाध्यक्षों को पदेन संयोजक सदस्य बनाए जाने पर विचार एवं सम्बंधित विषयों के नियमित आचार्यों के आभाव में अतिथि अध्यापकों को सदस्य बनाए जाने पर विचार।**
टिप्पणी	समस्त संकायाध्यक्षों द्वारा दिनांक 13/12/2021 को आयोजित BOS की बैठक में अनुमोदनानुसार विचारार्थ।
निर्णय	निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में नियमित आचार्यों के अभाव में संबद्ध महाविद्यालयों अथवा उन के अभाव में अन्य शासकीय महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों के आचार्यों प्राध्यापकों को सदस्य बनाया जाए।

19	कर्मकाण्ड विषय को स्नातक पाठ्यक्रम में मेजर तथा माइनर के रुप में विचार।
टिप्पणी	कर्मकाण्ड विषय को नईशिक्षा नीति के अनुसार मेजर तथा माईनर के रुप में अनुमोदन हेतु कला संकाय की बैठक दिनांक 15.12.2021 में किया गया। प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत।
निर्णय	विषय क्रमांक 3 के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
20	परामर्श केंद्र हेतु नीति निर्माण के संबंध में।
टिप्पणी	समाज कल्याण के लिए परामर्श केंद्र उपयोगी है। इससे विश्वविद्यालय की परामर्श नीति का प्रारुप विचारार्थ प्रस्तुत है।
निर्णय	प्रारुप यथारुप स्वीकृत है। परामर्श नीति लागू करने कि अनुशंसा की जाती है।
21	अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य विषय।
निर्णय	अध्यक्ष महोदय की अनुमति से संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण एवं ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र के संबंध में कार्य परिषद द्वारा लिए गए निर्णय से विद्या परिषद को अवगत कराया गया तथा विद्या परिषद अवगत हुई।

अंत में समस्त सदस्यों एवं अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर विद्या परिषद् की कार्यवाही समाप्त हुई।

डॉ. दिलीप सोनी
कुलसचिव
(सचिव)

प्रो. विजयकुमार जी.जी.
कुलपति
(अध्यक्ष)